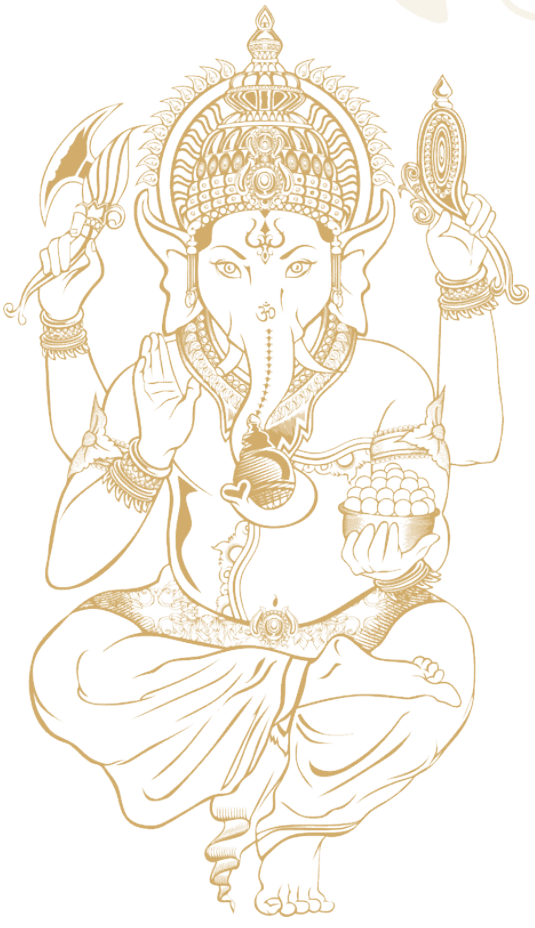

Mr.Guryash Singh

Ms.Kiranjot Kaur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120706808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/11/1996	जन्म तिथि	21-22/12/1997
बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	04:56:00 घंटे
घटी 17:47:38	जन्म समय(घटी)	54:43:58 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Delhi
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:56	सूर्योदय	07:09:52
17:41:25	सूर्यास्त	17:28:40
23:48:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:39

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 17वर्ष 7मा 1दि		23:37:38	कुंभ	लग्न	वृश्चि	06:05:09	सूर्य 1वर्ष 3मा 22दि	
बुध		04:28:58	वृश्चि	सूर्य	धनु	06:18:48	राहु	
23/06/2014		04:19:30	मीन	चंद्र	कन्या	07:05:01	14/04/2016	
23/06/2031		17:24:08	सिंह	मंगल	मक	09:04:04	15/04/2034	
बुध	18/11/2016	14:54:15	वृश्चि	बुध व	वृश्चि	25:50:21	राहु	26/12/2018
केतु	15/11/2017	22:23:56	धनु	गुरु	मक	26:24:12	गुरु	21/05/2021
शुक्र	15/09/2020	02:50:12	तुला	शुक्र	मक	09:38:03	शनि	27/03/2024
सूर्य	23/07/2021	06:57:00	मीन व	शनि	मीन	19:44:05	बुध	14/10/2026
चन्द्र	22/12/2022	13:03:03	कन्या	राहु	सिंह	19:47:27	केतु	02/11/2027
मंगल	19/12/2023	13:03:03	मीन	केतु	कुंभ	19:47:27	शुक्र	02/11/2030
राहु	08/07/2026	07:32:34	मक	हर्ष	मक	12:46:20	सूर्य	26/09/2031
गुरु	13/10/2028	01:42:38	मक	नेप	मक	04:45:39	चन्द्र	27/03/2033
शनि	23/06/2031	08:59:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:34:47	मंगल	15/04/2034

लग्न-चलित

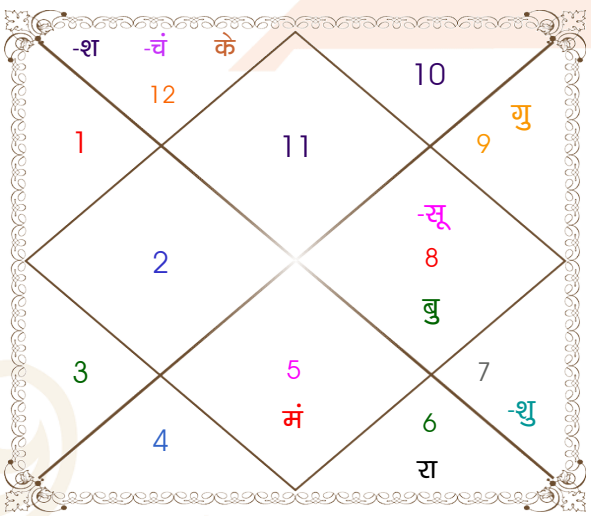

लग्न-चलित

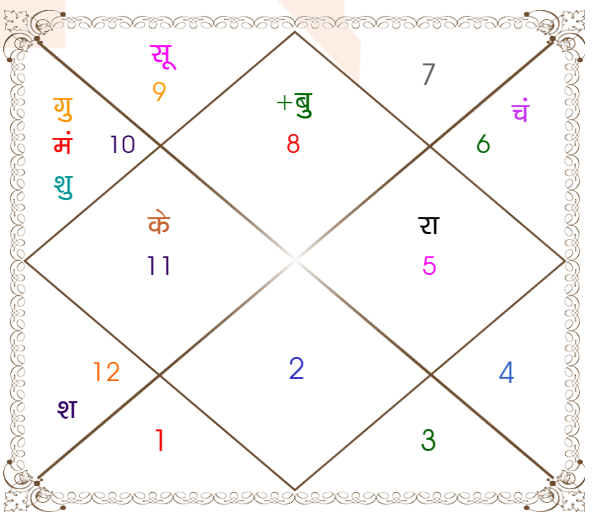

Yy
Rr
Tt

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गौ	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.00		

डतण्ळनतर्लीै पदही का वर्ग सर्प है तथा Ms.Kiranjot Kaur का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ळनतर्लीै पदही और Ms.Kiranjot Kaur का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ळनतर्लीै पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण्ळनतर्लीै पदही कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Kiranjot Kaur मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Kiranjot Kaur कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ळनतर्लो पदही तथा Ms.Kiranjot Kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।